International Journal of Advanced Educational Research
ISSN: 2455-6157; Impact Factor: RJIF 5.12
Received: 22-01-2021; Accepted: 12-02-2021; Published: 09-03-2021
www.educationjournal.org
Volume 6; Issue 2; 2021; Page No. 11-14

बी. एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थीओ की कोरोना जागरूकता का अध्ययन

रामसिंग ए. गामीत[1], डॉ. कीर्ति डी. ठाकर[2]

[1] पीएच. डी. स्कोलर, शिक्षण विभाग, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी, सुरत, गुजरात, भारत

[2] एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षण विभाग, वीर नर्मद दक्षिण गुजरात युनिवर्सिटी, सुरत, गुजरात, भारत

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य बी.एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थीओ की कोरोना जागरूकता के बारे में अध्ययन करना था। यह अध्ययन में समाविष्ट ५० प्रशिक्षणार्थीओ को नमूना के रूप में चयन कीया गया था। प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग कीया गया था। यह अध्ययन में उपकरण के रूप में स्वरचित प्रश्नावली का उपयोग कीया गया था। माहिती पृथक्करण के लिए प्रतिशत की गिनती की गई थी।

मूख्य शब्द :- बी.एड्. कोलेज, प्रशिक्षणार्थीओ, कोराना जागरूकता, अध्ययन

प्रस्तावना

२०१९-२० इस वर्ष का इतिहास संपूर्ण मानव संस्कृति को स्मरण रहेगा। क्योंकि पूरे विश्व को अपनी कालजयी परिछाया में लेने वाला 'कोरोना संक्रमण' काल में मानव के वर्तमान जीवन और आने वाले संभाव्य भविष्य को भयभीत बना दीया है। इस महामारी में पूरे विश्व को पीछे की ओर धकेल दिया। विकास के पहिये को लगभग रोक सा दिया था। किन्तु फिर भी समाज के प्रत्येक मानव के हौसलों का अभिवादन करना होगा की सबने मिलकर इस दुष्कर काल को पार किया, अभी गम्भीरआएं बाकी है किन्तु हम सफलता के कगार पर है। भारत ने वैक्सीन का सफलतापूर्वक निर्माण किया और उसका परिक्षण भी सफलतापूर्वक हुआ। ये सभी जागरूकता का ही परिणाम है। विद्यालय, अस्पताल, संस्थाएं, सार्वजनिक व्यवस्थाएं, सेवाकालिन क्षेत्र और प्रतिलेक स्थान सभी ने महत्त्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई है। सभी लोगों ने अपने देश और परिवार को जागरूक बनाने के लिए सभी सरकारी नीतियों का पालन किया। बचाव हेतू कार्यक्रम की बात करे तो इन कार्यक्रमो में केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, ग्रामिण समितियाँ, गूगल, यू-टयूब और अन्य मल्टि मीडिया, समाचार पत्र, प्रिन्ट मीडिया विभिन्न संचार माध्यम, न्यूझ चेनल्स इत्यादि ने बचाव के सभी प्राथमिक जानकारी बीमारी के लक्षण गंभीरता और बचाव हेतू कार्यक्रम द्वारा समाज का मार्गदर्शन किया है।

इस क्षेत्र के माध्यम से हम कोरोना के प्रति समाज के प्रत्येक वर्ग का कीतना शिक्षण क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इसकी प्रभावित श्रृखंला को जानना जरूरी बनता है। इस परिस्थितीओ को

ध्यान में रखते हुए बी.एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थीओ की कोराना जागरूकता का अध्ययन करना जरूरी बन जाता है। क्योंकी बी.ऐड्. के प्रशिक्षणार्थीओ भविष्य के शिक्षक है। इसी कारण कोरोना जागरूकता के संदर्भ में बी.ऐड्. के छात्रों कीतने जागरूक है? यह जानने हेतु प्रस्तुत अध्ययन कीया गया था।

शब्दो की परिभाषाएं

प्रस्तुत अध्ययन में उपयोग की जानेवाली परिभाषाएं निम्नलिखित है।

बी.एड्. कोलेज

प्रस्तुत अध्ययन में बी.एड्. कोलेज शब्द भगवान महावीर विश्वविद्यालय संलग्न शिक्षण भारती कोलेज ओफ एज्युकेशन वेसु, सुरत का निर्देष करता है।

प्रशिक्षणार्थी

प्रस्तुत अध्ययन में प्रशिक्षणार्थी यानें की भगवान महावीर विश्वविद्यालय संलग्न शिक्षण भारती कोलेज ओफ एज्युकेशन वेसु, सुरत के सेमेस्टर-१ में अध्ययन करनेवाले छात्रो।

कोरोना जागरूकता

प्रस्तुत अध्ययन में कोरोना जागरूकता यानें की शिक्षण भारती कोलेज ओफ एज्युकेशन वेसु, सुरत के सन २०१९-२० के दौरान फेलनेवाला वायरस के बारे में चयन कीया गया घटक के संदर्भ में बी.एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थी कीतने जागरूक है उसके बारे में अध्ययन करना।

- **चयन कीया धटक**

➢ मास्क पहनना।
➢ सेनिटाईझर का उपयोग।
➢ अपेक्षित दुरी।
➢ नमस्ते द्वारा अभिवादन।
➢ आईसोलेशन पद्धति।

अध्ययन

प्रस्तुत अभ्यास में अध्ययन याने की बी.एड्. कोलेज के छात्रो कोरोना वायरस के संदर्भ में कितने जागरूक है उसके बारे में अध्ययन करना।

अभ्यास का हेतू

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य इस प्रकार थे।

1. प्रस्तुत अभ्यास में बी.एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थीओ की कोरोना जागरूकता के संदर्भ में अध्ययन करने हेतू प्रश्नावली निर्मीत करना।
2. प्रस्तुत अभ्यास में बी.एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थीओ की कोरोना जागरूकता के संदर्भ में अध्ययन करने हेतू प्रश्नावली की अजमायश करना।
3. प्रस्तुत अभ्यास में बी.एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थीओ की कोरोना जागरूकता के संदर्भ में अध्ययन करने हेतू संस्था की मुलाकात करना।
4. कोरोना जागरूकता के संदर्भ में बी.एड्. कोलेज के छात्रो का अध्ययन करना।

अभ्यास के प्रश्न

1. कोरोना जागरूकता के बारे में बी.एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थीओ का क्या मानना है?

अभ्यास का महत्त्व

प्रस्तूत अध्ययन का महत्त्व निम्नलिखित था।

1. प्रस्तूत अभ्यास से कोरोना वायरस के संदर्भ में बी.एड्. के छात्रो कितने जागरूक है उसके बारे में जानने को मिलेगा।
2. प्रस्तूत अभ्यास से कोरोना जागरूकता के सदर्भ में बी.एड्. के छात्रो का हकारात्मक और नकारात्मकता विचार जानने को मिलेंगे।

3. कोरोना वायरस जागरूकता का महत्त्व के बारे में जाननेवाले सभी को यह अभ्यास उपयोगी बना रहेगा।

अभ्यास की मर्यादाएँ

1. यह अभ्यास सूरत शहर की एक ही कोलेज (भगवान महावीर विश्व विद्यालय शिक्षण भारती कोलेज ओफ एज्यूकेशन, वेसू सुरत) के प्रशिक्षणार्थीओ के लिए ही सीमित था।
2. यह अभ्यास शैक्षणिक वर्ष २०२०-२१ के सेमेस्टर १ के छात्रो के लिए ही सीमित था।
3. प्रस्तुत अभ्यास में अभ्यासक के द्वारा स्व-निर्मीत प्रश्नावली की रचना की गई थी। जिसके कारण अभ्यासक की मर्यादाएं भी हो सकती है।

व्यापविश्व

प्रस्तुत अभ्यास में भगवान महावीर विश्वविद्यालय शिक्षण भारती कोलेज ओफ एज्यूकेशन वेसू, सुरत के सभी प्रशिक्षणार्थीओ को व्यापविश्व के रूप में माना गया था।

नमूना

प्रस्तुत अभ्यास में नमूना के रूप में भगवान महावीर विश्वविद्यालय शिक्षण भारती कोलेज ओफ एज्युकेशन, वेसु के सेमेस्टर-१ के कुल २०० प्रशिक्षणार्थीओ में से ५० शिक्षणार्थीओ को नमूना के रूप में चयन किया गया था।

सारणी 1: नमूनामां में समाविष्ट प्रशिक्षणार्थीओं की संख्याए

प्रथम वर्ष (सेमेस्टर-१)		कुल प्रशिक्षणार्थी
पुरुष प्रशिक्षणार्थी	महिला प्रशिक्षणार्थी	
२५	२५	५०

नमूना चयन की पद्धति

प्रस्तुत अभ्यास में नमूना के रूप में भगवान महावीर विश्वविद्यालय संलग्न शिक्षण भारती कोलेज ओफ एज्युकेशन, वेसु के सेमेस्टर-१ के युनिट-१ का चयन यादच्छीक पर्ची उपाड पद्धति से और छात्रो का चयन झूमखा पद्धति से की गई थी।

अभ्यास की पद्धति

प्रस्तुत अभ्यास में बी.एड्. कोलेज के प्रशिक्षणार्थीओ कोरोना जागरूकता के संदर्भ में अध्ययन करने के कारण 'सर्वेक्षण पद्धति' का उपयोग किया गया था।

उपकरण संरचना

प्रस्तुत अभ्यास में अभ्यास के द्वारा स्व-निर्मीत प्रश्नावली की रचना की गई थी। प्रश्नावली 'हाँ' और 'ना' प्रकार की बनाए गयी थी। जिसमे प्रशिक्षणार्थीओ को जो प्रश्न ठीक लगे उसके सामने (√) का चिन्ह करना था।

डेटा एकत्रीकरण

प्रस्तुत अभ्यास में अभ्यासक के द्वारा डेटा एकत्रीकरण के लिए प्रश्नावली की रचना की गई थी। उसके लिए अभ्यासक ने बी.एड्. कोलेज का प्राधानाचार्य की मंजूरी लेकर प्रश्नावली भरवाई गई थी। और प्रशिक्षणार्थीओ से कोरोना जागरूकता के बारे में डेटा एकत्रीकरण कीया गया था।

डेटा विश्लेषण

डेटा विश्लेषण अभ्यास कार्य का एक महत्त्वपूर्ण सोपान माना जाता है। जो माहिती मिली है उसका विश्लेषण करना आवश्यक बन जाता है।

प्रस्तुत अभ्यासक में डेटा विश्लेषण के लिए प्रतिशत् (%) का उपयोग कीया गया था।

अभ्यास के परिणाम

1. प्रशिक्षणार्थीओ का मानना है की कोरोना वायरस एक विश्वव्यापी महामारी है।
2. कारोना वायरस से बचने के लिए मास्क पहनना जरूरी है।
3. कोरोना पीडित व्यक्ति का लक्षण निमोनिया, खाँसी, बुखार और जुखाम जैसी बिमारी हो सकती है।
4. कोरोना वायरस का ज्यादातर असर बच्चों और बूढ़े पर हो सकती है।
5. कोरोना से बचने के लिए सेनिटाईझर और साबुन से बार-बार हाथ धोने चाहीए।
6. कोरोना से बचने के लिए एक-दूसरे से अपेक्षित दूरी बनाई रखनी जरूरी है।
7. प्रशिक्षणार्थीओ का मानना है की एक-दूसरे से हाथ मिलाने से बचे और नमस्ते द्वारा अभिवादन का प्रयोग करे।
8. अपने-अपने घरों में आईसोलेशन पद्धति का उपयोग करे।
9. हो सके तो घरों में बाह्य खाद्यसामग्री का त्याग करे।
10. विवाह, उत्सव, मोल, पार्टी, इत्यादी स्थानों पर जाने से बचे।
11. प्रशिक्षणार्थीओ का मानना है की भारतीय वैक्सीन पर भरोसा करे।

संदर्भ सूची

1. उचाट, डी. ए. (२००९). शिक्षण अने सामाजिक विज्ञानमा संशोधननुं पद्धतिशास्त्र. राजकोट : सौराष्ट्र युनिवर्सिटी
2. शाह, डी. बी. (२००९). शैक्षणिक संशोधन, अहमदावाद : प्रमुख प्रकाशन
3. देसाइ, एच. जी. एवं देसाइ, के. जी. (२०१३) संशोधन पद्धतिओ अने प्रविधिओ. (आठवीं आवृत्ति पुन:मुद्रित). अहमदावाद : युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड
4. पटेल आर. एस. (२००९). शैक्षणिक संशोधन माटे आंकडाशास्त्रीय पद्धति. अहमदाबाद : जय पब्लिकेशन
   bbc.com.science 52022817.
   24 March 2020
5. विश्व स्वास्थ्य संगठन (कारोना के प्रति जागरूकता)
6. Hindi.indiawaterportal.org
7. अप्रेल २०२० (कोविड-१९ से बचाव के उपाय) N.youtube.com watch
8. 22 March (कोरोना वायरस जागरूकता हेतू नियम)